प्लेटो के 'रिपब्लिक' और 'लाज' में अन्तर

Date ___/___/_____

Saathi

एथेंस की लोकतंत्रीय तथा अन्य देशों की तत्कालीन शासन प्रणालियों के दोषों से क्षुब्ध प्लेटो ने अपने प्रथम तथा महानतम ग्रंथ 'रिपाब्लिक' में एक ऐसे आदर्श राज्य की परिकल्पना की, जो दार्शनिकों के शासन तथा 'न्याय' की एक नवीन और मौलिक अवधारणा पर आधारित होता। आदर्श राज्य की इस परिकल्पना को उसने एकाधिक बार व्यवहारिक रूप देने का प्रयास किया, किंतु वह विफल रहा। अपने जीवन के लम्बे अनुभवों के आधार पर उसने अंत में 'लाज' नामक अपने तीसरे महत्वपूर्ण ग्रंथ की रचना की, जिसका उसकी मृत्यु के पश्चात् 347 ई० पू० उसके शिष्य ओपयस फिलिक ने प्रकाशन किया। जहाँ 'रिपाब्लिक' उसकी आदर्श भावना की देन है, वही 'लाज' उसके लम्बे अनुभवों पर आधारित है। आदर्श राज्य की स्थापना की अव्यवहारिता को अनुभव होने पर उसने इस ग्रंथ की रचना की। रिपाब्लिक और उसमें निम्नलिखित अंतर हैं —

1. दोनों में वैचारिक दृष्टि से मौलिक अंतर है। 'रिपाब्लिक', 'आदर्श' तथा 'लाज' यथार्थ पर बल देता है।
2. जहाँ 'रिपाब्लिक' में कानून का कोई स्थान नहीं है तथा 'न्याय' पर आधारित दार्शनिकों के शासन की व्यवस्था है, वही 'लाज' में कानून के महत्व पर बल देता है तथा शासन वर्ग सहित सभी को उसके अधीन रखा गया है। वह इसे सर्वोपरि स्थान प्रदान करता है।

Scanned with CamScanner

Date ___/___/_____

3. 'रिपाब्लिक' में नैतिकता पर बल दिया गया तथा धर्म को कोई स्थान नही दिया गया है, जबकि 'लाज' में धर्म का महत्व देते हुए उसे राज्य का आधार बनाया गया है।

4. 'रिपाब्लिक' में अभिभावक वर्ग को सम्पत्ति और परिवार से वंचित किया गया जबकि 'लाज' में प्लेटो अपनी इस धारणा में परिवर्तन कर देता है, वह शासकों और संरक्षकों के लिए सम्पत्ति और परिवार की व्यवस्था करता है।

5. 'लाज' में वह विशेषीकरण के सिद्धांत पर बल नही देता है। वह सभी वर्गों के बीच सहयोग की बात करता है।

6. 'रिपाब्लिक' में वह दार्शनिकों के निरंकुश शासन की बात कहता है जबकि 'लाज' में वह लोकतंत्र और कुलीन तंत्र के गुणों से युक्त मिश्रित संविधान को महत्व देता है।

7. 'लाज' में वह माध्यम मार्ग पर बल देता तथा अति को वर्जित करता है। उसके अनुसार अति के कारण ही राज्यों का पतन होता

8. 'लाज' की शिक्षा व्यवस्था भी 'रिपाब्लिक' की शिक्षा व्यवस्था से भिन्न है। 'लाज' में प्लेटो शिक्षा का द्वार सभी वर्ग के लिए खोल देता है।

कुल मिलाकर हम देखते है कि 'रिपाब्लिक' और 'लाज' में मौलिक अंतर है, जहाँ 'रिपाब्लिक' में वह एक आदर्श राज्य की परिकल्पना करता है, वही 'लाज' एक यथार्थवादी राज्य की रूपरेखा प्रस्तुत करता है। यहाँ 'रिपाब्लिक' विवेक पर आधारित राज्य की रूपरेखा प्रस्तुत करता है, वही 'लाज' कानून की सर्वोपरिता स्वीकार करता है।

Scanned with CamScanner